समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

नेपाल मे तंख्तापलट : चीन ने जारी किया पहला बयान, कूटनीतिक हलचल तेज

Publisher

Published on 10 Sep 2025

नेपाल में राजनीतिक संकट के बीच, चीन ने अपना पहला आधिकारिक बयान जारी किया है। इस बयान के माध्यम से चीन ने नेपाल की राजनीतिक स्थिति पर अपनी **स्थिरता और शांतिपूर्ण समाधान** की प्राथमिकता को रेखांकित किया। हालांकि, चीन ने **नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री के नाम का उल्लेख करने से परहेज** किया, जिससे कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि चीन की यह रणनीति नेपाल के आंतरिक मामलों में **समीक्षा और सावधानीपूर्वक हस्तक्षेप** को दर्शाती है। चीन ने अपने बयान में यह स्पष्ट किया है कि वह **नेपाल की संप्रभुता और स्थिरता का सम्मान करता है**, लेकिन किसी भी राजनीतिक विवाद में सीधे तौर पर हस्तक्षेप करने का संकेत नहीं दिया।

बयान की प्रमुख बाते

चीन के बयान में निम्नलिखित मुख्य बिंदु सामने आए:

1. नेपाल में **राजनीतिक स्थिरता और शांति** को प्राथमिकता देने का आग्रह।
2. नेपाल के आंतरिक मामलों में **संप्रभुता और गैर-हस्तक्षेप** का सम्मान।
3. नेपाल और चीन के बीच **मौजूदा द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग** को बनाए रखने का संकेत।

विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन का यह बयान नेपाल की आंतरिक राजनीतिक गतिशीलता पर **संवेदनशील और संतुलित प्रतिक्रिया** के रूप में देखा जा सकता है।

चीन ने अपने बयान में नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री **के.पी. शर्मा ओली** का नाम नहीं लिया। विश्लेषकों के अनुसार यह कदम चीन द्वारा **सावधानीपूर्वक कूटनीतिक संदेश** भेजने की नीति को दर्शाता है। किसी भी अंतरराष्ट्रीय विवाद में सीधे तौर पर पक्ष नहीं लेने की

रणनीति को दिखाता है। नेपाल के विभिन्न राजनीतिक गुटों के बीच **संतुलन बनाने** की कोशिश करता है। इस कदम से नेपाल और चीन के संबंधों में **संभावित तनाव को कम करने** का उद्देश्य नजर आता है।

नेपाल में तख्तापलट के बाद राजनीतिक स्थिति **अत्यंत अस्थिर** है। देश में सरकार और विपक्ष के बीच विवाद, विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ गई है। विशेषज्ञों के अनुसार नागरिकों के बीच **अविश्वास और चिंता** बढ़ी है। पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की **निगाहे नेपाल पर केंद्रित** हो गई हैं। राजनीतिक स्थिरता और शासन प्रणाली पर **समीक्षा और सुधार** की मांग बढ़ी है।

नेपाल के राजनीतिक संकट पर चीन के अलावा अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भी प्रतिक्रिया आई है। कई देशों ने नेपाल में **शांति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया** बनाए रखने की अपील की है। इसके अलावा, नेपाल की स्थिति **अंतरराष्ट्रीय मंच पर चिंता का विषय** बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का बयान अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं के साथ मिलकर नेपाल की **राजनीतिक स्थिरता की दिशा** में महत्वपूर्ण संकेत देगा।

चीन का यह बयान नेपाल-चीन संबंधों पर भी असर डाल सकता है। नेपाल के राजनीतिक संकट के दौरान चीन की यह **संतुलित और निरपेक्ष प्रतिक्रिया** दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को सुरक्षित रखेगी। सीमावर्ती परियोजनाओं और निवेशों को प्रभावित होने से बचाएगी। नेपाल के भीतर राजनीतिक गुटों के बीच **संतुलन और संवाद** को बढ़ावा देगी। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन की यह प्रतिक्रिया भविष्य में नेपाल की आंतरिक राजनीतिक स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में **सकारात्मक भूमिका** निभा सकती है।

नेपाल में तख्तापलट के बाद चीन का पहला बयान एक **संवेदनशील और संतुलित कूटनीतिक कदम** माना जा रहा है। ओली का नाम नहीं लेने के बावजूद चीन ने नेपाल में **शांति और स्थिरता बनाए रखने** पर जोर दिया है। इस बयान से नेपाल की राजनीतिक स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय नजरों और कूटनीतिक हलचलों की दिशा स्पष्ट होती है।

नेपाल और चीन के संबंधों में यह कदम **भविष्य की रणनीति और सहयोग** का संकेत देता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले दिनों में नेपाल की राजनीतिक स्थिरता, नागरिकों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में यह बयान **महत्वपूर्ण भूमिका** निभा सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.